मासिक रिपोर्ट

अंक :155 फरवरी 2015

Estb : 1959
Reg. No. 94 / 68-69

नियमित प्रकाशन का तेरहवां वर्ष

To,

स्वैच्छिक सेवा का 56 वां वर्ष

- फरवरी 2015 में 25 कार्य दिवस। सदस्यों की दैनिक औसत उपस्थिति – 11
- उदयपुर का तापमान फरवरी माह में : अधिकतम 25° सेल्सियस, न्यूनतम 12.5° सेल्सियस रहा।
- जनवरी माह की **मासिक रिपोर्ट, लोकविज्ञान, तथा लहर** प्रकाशित हुई तथा सभी सदस्यों एवं वि ष्टजनों को प्रेषित की। कुछ सदस्यों को विदेश में ई–मेल द्वारा भी भेजी गई।

नई सदस्यता –डॉ. जैनेन्द्र कुमार दोशी(सेवानिवृत आचार्य, पंत नगर कृषि वि.वि.)

आर्थिक सहयोग-

- **वार्षिक सहयोग राशि – प्रो. सुशीला अग्रवाल रू.1000/- श्री प्रकाश तातेड़ रु.1000/- आभार।**
- **छात्रवृत्ति – डॉ. के.एल. कोठारी रू. 1000/-**
- **नई सदस्यता शुल्क – डॉ. जैनेन्द्र कुमार दोशी रू. 11,000/-**

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

● लोक विज्ञान का फरवरी अंक प्रकाि ात हुआ। इसमें **प्रात:कालीन वायु की गुणवत्ता और ताजगी, नम भूमि : क्यों है महत्त्वपूर्ण, खाद्य तेलों का उपयोग सोच समझ कर करें** आदि सामग्री प्रकाि ात की गई।

● **राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह :** विज्ञान समिति में राष्ट्रीय **विज्ञान दिवस** का कार्यक्रम **28 फरवरी** को मुख्य सभागार में आयोजित हुआ। इस समारोह के मुख्य अतिथि थे सेबी(SEBI) के **पूर्व चेयरमेन और भगवान महावीर विकलांग**

सहायता समिति जयपुर के संस्थापक एवं अध्यक्ष पद्मभूषण पूर्व आई.ए.एस. श्री डी.आर. मेहता। उन्होंने इस अवसर पर बताया कि विकलांग सहायता समिति द्वारा विकसित जयपुर फुट को संसार की 50 बड़ी खोजों के रूप में वैज्ञानिकों ने स्वीकारा है। विभिन्न तकनीकियों का उपयोग कर यह संस्था भारत सरकार के सहयोग से देश और विदेश के लाखों लोगों का सहयोग कर पाई है। उन्होंने विज्ञान समिति को पोषण संबंधी कुछ पुस्तिकाएं तैयार करने को कहा जिसमें उनकी संस्था सहयोग करेगी। **डॉ. के.पी. तलेसरा** ने विज्ञान दिवस के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए नोबेल पुरस्कार विजेता **प्रो. सी.वी. रमन** के जीवन पर प्रकाश डाला। **डॉ. के.एल. कोठारी** ने **ऑक्सीडेटीव स्ट्रेस, डीजेनरेटिव डिजिजेज एंड एंटी ऑक्सीडेंट्स** पर पॉवर पॉइन्ट प्रजेन्टेशन दिया। **प्रो. एन. एल. गुप्ता** ने विज्ञान समिति का परिचय देते हुए स्वागत किया। मुख्य अतिथि का तिलक, शॉल, माला, पगड़ी व

उपरणा द्वारा अभिनन्दन किया गया। उन्हें विज्ञान समिति द्वारा प्रकाशित सामग्री भेंट की गई। इस अवसर पर पद्म विभूषण **डॉ. दौलतसिंह कोठारी** के उच्च स्तरीय जीवन एवं राष्ट्र को देन पर भी प्रकाश डाला गया।

आचार्य नानेश ट्रस्ट, नानेश नगर, दांता में 24 फरवरी को वहां के मेनेजमेंट के आग्रह पर विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। दो इनोवा कार में समिति से चार महिलाएं व चार पुरूष प्रतिनिधि गए। महाविद्यालय के बड़े सभागार में महाविद्यालय एवं स्कूल के 250 विद्यार्थियों एवं स्टॉफ के बीच विज्ञान दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सात विद्यार्थियों ने राष्ट्र के प्रख्यात वैज्ञानिकों– **डॉ. डी.एस. कोठारी, डॉ. एच.जे. भाभा, डॉ. सी.वी. रमन, डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम, डॉ. एच.जी. खुराना** पर लघु वार्ताएं दी। इन विद्यार्थियों को विज्ञान समिति द्वारा पारितोषिक दिए गए। इस अवसर पर **डॉ. के.एल. कोठारी** ने पॉवर पॉइन्ट द्वारा **ऑक्सीडेटीव स्ट्रेस, डीजेनरेटिव डिजिजेज एंड एंटी ऑक्सीडेंट्स** पर वार्ता दी। इस कार्यक्रम में समिति के **डॉ. के.एल. कोठारी, प्रो. जे.एन. कविराज, श्री प्रकाश तातेड़ तथा** सजीव सेवा समिति के **श्री शांतिलाल भंडारी** सम्मिलित हुए।

उसी दिन नानेश नगर के निकट सीनियर सैकण्डरी स्कूल की बालिकाओं एवं संस्थान द्वारा महिला समूह की प्रतिनिधियों को पहले डॉ. कोठारी ने विज्ञान समिति द्वारा विकसित जीवन पच्चीसी के संकल्पों की जानकारी दी और इसकी प्रतियां वितरित की। बाद में उपस्थित महिला सदस्यों – **श्रीमती पुष्पा कोठारी, डॉ. शैल गुप्ता, श्रीमती मंजुला शर्मा, श्रीमती बेला जैन** ने समूह को हरे चने से

जाजरिया बनाना, फलों से जेम बनाना, नीबू का अचार–चटनी, शर्बत और मिश्रित सब्जियों का मीठा अचार बनाना सिखाया जिसमें महिलाओं ने विशेषकर छात्राओं ने काफी रूचि ली। **डॉ. शैल गुप्ता** ने योग से स्वास्थ्य लाभ की जानकारी देते हुए कुछ योगासन सिखाए।

दोनों ही कार्यक्रमों में स्थानीय व्यवस्थापकों ने श्री गजेन्द्र बोहरा के नेतृत्व में संपूर्ण सहयोग प्रदान किया। हमारे सांस्कृतिक सचिव **डॉ. बी.एल. चावत** वहां के महाविद्यालय के निदेशक हैं। उनकी उपस्थिति दोनों ओर लाभप्रद रही। इस अवसर पर **श्री शांतिलाल भंडारी** के निर्देशन में स्वाइन फ्लू से बचाव के लिए काढ़ा तैयार कर पिलवाया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम का नियोजन **श्री गजेन्द्र बोहरा** ने किया।

महिला सशक्तीकरण

नवाचार महिला प्रकोष्ठ : 10 फरवरी को विज्ञान समिति परिसर में बैठक आयोजित हुई। बैठक में 70 महिलाएं उपस्थित थी। बैठक में खाद्य प्रसंस्करण पर कार्यशाला की गई। इस कार्यशाला में राजस्थान कृषि महाविद्यालय की **प्रो. शालिनी व** सहायक **श्री अमरसिंह** ने सदस्याओं को सॉस, जैम, जैली, शर्बत बनाना सिखाया। वहीं, हरे चने, आम, सीताफल, हल्दी, अदरक आदि को प्रिजर्व रखने के तरीके बताए। **श्रीमती बेला जैन** ने हरे चने के व्यंजन बनाना सिखाया। इस अवसर पर **डॉ. के.एल. कोठारी, श्री मुनीश गोयल, श्रीमती पुष्पा कोठारी, श्रीमती सविता कोठारी, श्रीमती नलिनी लोढ़ा, श्रीमती राखी जैन, श्रीमती मंजुला शर्मा** आदि उपस्थित थे।

वरिष्ठ महिला प्रकोष्ठ : इस प्रकोश्ठ की मासिक बैठक 20 जनवरी को आयोजित थी किंतु **श्रीमती इंद्रा जी बोरदिया** के देहावसान के कारण तथा उसी दिन दाहसंस्कार होने से स्थगित कर दी गई और 21 फरवरी को श्रद्धांजलि सभा की गई।

ग्रामीण महिला चेतना शिविर(21 फरवरी) : इस ि ाविर में कुल 19 महिलाओं ने भाग लिया। **डॉ. के.एल. कोठारी** ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस एवं चेतना शिविर के बारें में चर्चा की तथा सभी को होली की बधाई दी। इनरव्हील की **श्रीमती बेला जैन** ने हरे चने का जाजरिया एवं कचौरी, नीबू एवं मिर्च का अचार, सूजी का तत्काल केक बनाना सिखाया। **प्रोफेसर सुशीला अग्रवाल** ने स्वाइन फ्लू के घरेलु नुस्खे तथा चाय को बार–बार उबालकर नहीं पीना चाहिए, के बारे में बताया। **श्रीमती पुष्पा कोठारी** ने जीवन पच्चीसी के बिंदुओं के बारे में बताया तथा प्रेरणात्मक जानकारी दी । **श्रीमती डॉ. शैल गुप्ता** ने योग से कैसे स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करें उसके बारे में बताया। चंदेसरा, फतहनगर एवं नांदवेल से आई महिलाओं ने लिए गए ऋण की मासिक किस्त जमा कराई। शिविर में सिखाई गई हरे चने से बनाए गए व्यंजन की रेसीपी को चंदेसरा की **श्रीमती नानी बाई** ने मंच पर आकर पुनः सभी सदस्यों का बताया। **प्रो. जे.एन. कविराज** ने **सुश्री पूजा डूंगावत** से पढ़ाई संबंधी चर्चा की एवं आगे के लिए मार्गदर्शन दिया। **डॉ. प्राची भटनागर** ने प्रतिऑक्सीकारक (एंटीऑक्सीडेंट) के बारे में जानकारी दी। **श्रीमती मंजुला शर्मा** ने लहर के बारे में चर्चा करके उसका वितरण किया तथा सभी को यात्रा भत्ता दिया। अंत में चंदेसरा की **श्रीमती तुलसी नागदा** ने सभी का आभार व्यक्त किया।

लहर : लहर का 44वां अंक अपने नियमित प्रारूप में प्रकाशित हुआ जिसमें **वख्ती बाई– समाज का विरोध झेल बनी आत्मनिर्भर, सुविचार, मार्च माह की कृषि क्रियाएं, लीलवे का जाजरिया, मूंग की नमकीन दाल के समोसे, ''बेटी–बचाओ बेटी पढ़ाओं'' अभियान, स्वाइन फ्लू, कांटे का आघात– खोया अपना हाथ, व्यवहार का ज्ञान, निशुःल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर, जीवन पच्चीसी संकल्प, फागुन की इन रातों में, शादी पर एक नया निबंध, पिछला ग्रामीण महिला चेतना शिविर, अगला ग्रामीण महिला चेतना शिविर** आदि पठनीय सामग्री एवं सूचनाओं के साथ प्रकाि ात किया गया। व्यक्तिगत तथा डाक द्वारा ग्रामीण महिलाओं को पहुँचाया गया।

स्वास्थ्य सेवाएं

निःशुल्क एक्यूप्रेशर शिविर : **विज्ञान समिति, महावीर इन्टरनेशनल व आरोग्य एक्यूप्रेशर उपचार, शोध एवं प्रशिक्षण प्रन्यास,** उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में निः ुल्क एक्यूप्रे ार ि ाविर प्रत्येक गुरुवार व भानिवार को सायं 5 से 6.30 बजे तक सफलतापूर्वक आयोजित हुए। जनवरी माह में **8** शिविर हुए जिसमें **78 रोगियों** की चिकित्सा की गई।

श्री बिजयकुमार सुराणा स्मृति निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर : **विज्ञान समिति, महावीर इन्टरनेशनल, इनरव्हील क्लब, अशोकनगर जैन सोसायटी उदयपुर, अणुव्रत समिति, उदयपुर सेवा समिति, एम.बी.कॉलेज पूर्व छात्र परिषद** के संयुक्त तत्वावधान में उन्नीसवां ि ाविर दिनांक 15 फरवरी 2015 तृतीय रविवार को आयोजित किया गया। इस चिकित्सा ि ाविर में **डॉ. अनुराग तलेसरा अस्थि रोग विशेषज्ञ, डॉ. भानु प्रकाश ईएनटी विशेषज्ञ, डॉ. त्रिशा नेत्र रोग विशेषज्ञ अलख नयन मंदिर, श्री कल्पेश पूर्बिया फिजियोथेरेपिस्ट एवं एक्यूप्रेशर टीम** ने अपनी **मानद चिकित्सा परामर्श** सेवाएं प्रदान की। साथ ही श्री अंकित नागोरी एवं श्री कमलेश चौबीसा ने रोगियो की जांचे की। सभी के प्रति आभार। इस ि ाविर में कुल 48 नागरिकों का (5 सामान्य, 21 मधुमेह, 4 नेत्र, 11 अस्थि/फिजियोथेरेपी) वि ोषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसी क्रम में 8 नागरिकों को एक्यूप्रे ार थेरेपी चिकित्सा पराम र्श दिया गया। आगामी **इकीसवां शिविर 15 मार्च 2015 प्रात: 10.30 से 12.30 बजे तक आयोजित होगा।**

प्रबुद्ध चिंतन प्रकोष्ठ

विज्ञान समिति के प्रबुद्ध चिंतन प्रकोष्ठ की मासिक बैठक में **राजस्थान झील (संरक्षण एवं विकास) प्राधिकरण अध्यादेश 2015** की वि ोषताएं एवं कमियों पर **इंजी. अनिल मेहता,** प्राचार्य विद्या भवन पॉलिटेक्निक उदयपुर ने अपने पॉवर पॉइन्ट प्रजेन्टे ान के माध्यम से जानकारी दी। मेहता ने बताया कि इस प्राधिकरण की आव यकता **स्व. डॉ. पी.एल. अग्रवाल (पूर्व अध्यक्ष–विज्ञान समिति)** के नेतृत्व में 1995 उदयपुर के झील प्रेमियों द्वारा विचार मंथन उपरान्त एक प्रारूप तत्कालीन मुख्य सचिव **श्री एम.एल. मेहता** को प्रेषित किया। उन्होंने इस प्रारूप को सचिवों की समिति

को विचार एवं राज्य सरकार को प्रस्तुत करने का सुझाव दिया। श्री मेहता ने कहा कि वर्तमान में झीलों से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 13 विभाग संबंधित हैं किंतु सुचारू देखभाल के लिए कोई संस्थागत व्यवस्था नहीं है। पिछले 10 वर्षों के निरन्तर प्रयास के उपरान्त राज्य सरकार ने **राजस्थान झील विकास प्राधिकरण** गठन करने का अध्यादे ा निकाला था । जिसमें झीलों की परिभाषा बदल दी गई और अधिकतम जल भराव क्षमता के स्थान पर पूर्ण भराव जल क्षमता को मान्यता प्रदान की। इसके द्वारा उदाहरण स्वरूप पीछोला झील क्षमता पर 30 प्रति ात की कमी आई। वर्तमान अध्यादे ा में इस कमी को दूर करने के साथ यह अध्यादे ा पूरे राज्य के भाहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के सभी झीलों और तालाबों जिनका क्षेत्रफल 3 हेक्टर धार्मिक एवं सामाजिक महत्व एवं अन्य झीलें जो 10 हेक्टर से अधिक हो पर लागू होगा।

उदयपुर की झीलों का पर्यटन की दृष्टि से भी अतिमहत्व है। अतः प्राधिकरण का मुख्यालय उदयपुर में रखा जाए ताकि उनका रखरखाव, संरक्षण एवं विकास अधिक सुचारू रूप से हो सके। इस संबंध में उदयपुर के सभी झील प्रेमी नागरिकों को अपनी इस राय को स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं प्र ासकों तक ले जानी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन **श्री मुनीश गोयल** ने किया।

डॉ. फ्रेड बेमाक से समूह चर्चा

जार्ज मैसन विश्वविद्यालय, वाशिंगटन डी.सी. अमेरिका के **डॉ फ्रेड बेमाक** ने दिनांक 7 फरवरी 2015 को प्रातः 11.30 बजे विज्ञान समिति कार्यालय में अपनी सारगर्भित वार्ता प्रस्तुत की। वार्ता का विषय था – **बदलते परिवेश में सामाजिक मूल्य**। प्रो. फ्रेड ने बताया कि तकनीकी विकास व परिवर्तन ने समाज की सम्पूर्ण मान्यताओं को आमूलचूल परिवर्तन कर दिया है। इस बदलती हुई स्थिति का सामना करने के लिए हमें स्वयं को तैयार करना चाहिए। बदलते सामाजिक परिवेश में **परिवार में अधिक समय अपने बच्चों के साथ बिताना चाहिए** जिसमें इनकी भावनाओं व समस्याओं को समझकर रचनात्मक सोच के साथ हल निकाला जा सके। मीटिंग में **डॉ. एन.सी. जैन, श्री प्रदीप कुमावत, श्री विजय गोयल, श्री एन.सी. बंसल, डॉ. के.एल. कोठारी** आदि ने अपने विचार रखे। वार्ता में **श्री मुनीश गोयल, श्री प्रकाश तातेड़, प्रो. जगदीश कविराज, डॉ. एम. के. भटनागर, डॉ. एल.एल. धाकड, डॉ. के.बी. शर्मा** आदि सदस्य उपस्थित रहे।

दर्शन विज्ञान प्रकोष्ठ

दर्शन विज्ञान प्रकोष्ठ की मासिक बैठक दिनांक 14 फरवरी को हुई। **डॉ. श्यामलाल गोदावत** पूर्व डीन राजस्थान कृषि महाविद्यालय ने **इन्द्रीय ज्ञान व सुख से परे अतीन्द्रिय ज्ञान व सुख** विषय पर वार्ता प्रस्तुत की। पॉवर पॉइन्ट के माध्यम से प्रस्तुत इस वार्ता में श्रोताओं ने बहुत उत्साह से भाग लिया और विषय पर अच्छी चर्चा हुई। डॉ. गोदावत ने पिछली बैठक में इस वार्ता को प्रारम्भ किया था।

केलवा प्रोजेक्ट

आचार्य भिक्षु आलोक संस्थान केलवा के मुखपत्र '**श्रद्धा**' का 16वां अंक **श्री मदनलाल जी नानालाल जी कोठारी** केलवा हाल चेम्बूर के सौजन्य से प्रकाशित हुआ, वितरण किया गया।

डॉ. के.एल. कोठारी एवं **प्रो. जे.एन. कविराज** 12 फरवरी को केलवा गए। वहां के राजकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय में सम्पर्क किया। वहां की दसवीं की 7 मेधावी छात्राओं से प्रेरणात्मक चर्चा की। विद्यालय इंचार्ज की सिफारिश पर एक बालिका **सुश्री मशरफ बानो** को एक हजार रूपये का सहयोग किया।

पुस्तक दान के अंतर्गत **श्रीमान् के.एल. बोहरा सा.** से 23 पुस्तकें प्राप्त हुई।

अन्य बिन्दु

- विज्ञान समिति द्वारा अनुप्राणित नर्सरी स्कूल **टॉय एन जॉय** का सातवां वार्षिक समारोह विज्ञान समिति के सभागार में 5 फरवरी को आयोजित हुआ। इस स्कूल के निदेशक हमारे एकेडमिक सचिव **श्री प्रकाश तातेड़** हैं। समारोह में **डॉ. के.एल. कोठारी** एवं **श्रीमती रेणु भंडारी** ने अतिथि पद से आशीर्वाद दिया।। कार्यक्रम उच्च स्तर का था। बच्चो ने बड़े ही उत्साह से भाग लिया। विद्यालय प्रबंधन को हार्दिक बधाई।
- हमारे पूर्व अध्यक्ष **स्वर्गीय पी.एल. अग्रवाल सा.** की लिखी पुस्तक **''द जर्नी ऑफ स्टील मेन''** एवं हिन्दी अनुवाद की बची हुई पुस्तकें विज्ञान समिति को परिवार द्वारा सधन्यवाद प्राप्त हुई।
- 15 फरवरी को एम.बी. कालेज पूर्व छात्र परिषद की बैठक विज्ञान समिति के सौजन्य से हुई। आज 350 लोगों को आयुर्वेदिक काढ़ा भी पिलाया गया। **डॉ. आर.एल. जैन** ने नई कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। **डॉ. के.एल. कोठारी** ने रिमिक्स गीत सुनाए। अन्य कई सदस्यों ने भी प्रस्तुति दी।

सदस्यों संबंधी

- हमारे प्रमुख संरक्षक सदस्य **श्रीमान् मदनसिंह जी सुराणा** का दो बार हांगकांग से फोन आया। सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं को याद किया तथा अपनी शुभकामनाएं दी। आभार।
- हमारे सरंक्षक सदस्य **डॉ. के.बी. शर्मा** 15 फरवरी को एम. बी.कॉलेज पूर्व छात्र परिषद के सर्वसम्मति से उपाध्यक्ष मनोनीत किए गए। हार्दिक बधाई।
- हमारे संरक्षक सदस्य **डॉ. जी.सी लोढ़ा** सपत्नी इंदौर से 26 फरवरी को उदयपुर पधार गए। लोढ़ा सा. के इंदौर में गिर जाने से शोल्डर बोन का फ्रेक्चर हो गया था। पट्टा बंधा हुआ है। विज्ञान समिति में पधारे। शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए मंगल कामना।
- हमारे सदस्य **डॉ. महीप भटनागर प्रो. जूलोजी एवं पूर्व अधिष्ठाता विज्ञान महाविद्यालय** 28 फरवरी को सेवानिवृत हुए। सफल सेवाकाल के लिए हार्दिक बधाई। जीवन का नया चरण उपयोगी एवं उत्साहवर्द्धक रहे, ऐसी शुभकामनाएं।
- हमारे विशिष्ट संरक्षक **डॉ. वाय.एस. कोठारी** को **रोटरी**

इस माह से प्रत्येक सोमवार को समसामयिक विषयों पर सामूहिक चर्चा प्रवृति प्रारंभ हुई। इस कार्यक्रम को **''मंडे मंथन''** नाम दिया गया।

श्रद्धांजलि

हमारे सदस्य प्रो. एस.एल बापना (सेवानिवृत आचार्य आई.आई.एम. अहमदाबाद) की धर्मपत्नी **श्रीमती आशा बापना** का देवलोक गमन 3 फरवरी को अहमदाबाद में हो गया। श्रीमती आशा विज्ञान समिति के जन्म स्थान केलवा के कोठारी परिवार स्व. श्रीमान मगनलाल जी की पुत्री तथा हमारे संस्थापक सहयोगी श्री मूलचंद जी कोठारी की बहन थी। आशा एक सरल सहृदयी एवं सुसंस्कारी महिला थी। दोनों परिवारों को विज्ञान समिति की ओर से हार्दिक संवेदना। दिवंगत आत्मा को हार्दिक श्रद्धांजलि।

विज्ञान समिति के नवाचार एवं वरिष्ठ महिला प्रकोष्ठ की सक्रिय सदस्या **श्रीमती इन्द्रा जी बोरदिया** पत्नी स्व. श्रीमान् सुरेन्द्र जी बोरदिया का आकस्मिक देहावसान 18.2.2015 को हो गया। इन्द्रा जी का नवाचार एवं वरिष्ठ महिला प्रकोष्ठ के कई कार्यक्रमों में मार्गदर्शन मिलता रहता था। वे साहसी, मिलनसार, हंसमुख, उत्साही, कला प्रेमी एवं जीवट व्यक्तित्व की धनी महिला थी। उनका प्रेरक एवं सक्रिय जीवन हमारे लिए अनुकरणीय है। हमने एक प्रतिभावान सहयोगी को खो दिया। सादर श्रद्धांजलि।

विज्ञान समिति के विशिष्ट संरक्षक सदस्य उद्योगपति श्रीमान् मांगीलाल जी लूणावत की सुपुत्री **सुश्री नीमा लुणावत** का आकस्मिक निधन 11 फरवरी को हो गया। दाह संस्कार एवं उठावने में समिति के कई सदस्य सम्मिलित हुए। शोक पत्र भी भेजा गया । सादर श्रद्धांजलि।

जन्मदिन की बधाइयाँ (मार्च-अप्रेल माह)

Happy Birth Day

Dr. Prachi Bhatnagar	04/03	Sh. Prakash Tater	03/04
Shri Arun Kothari	09/03	Dr. Arun Bordia	06/04
Dr. N.K. Purohit	10/03	Sh. Ashok Rathod	06/04
Mrs. Manjula Bordia	13/03	Sh.Sujjan Singh	10/04
Sh. V.B. Singh	21/03	Sh. R.C. Mehta	11/04
Sh.Babulal Kothari	25/03	Sh. Hemant Bohra	12/04
Mrs. Mamta Kothari	27/03	Sh. T.P. Paliwal	25/04

समिति परिसर में जन्मदिन मनाने के लिए आप सादर आमन्त्रित हैं।

सदस्यगण अपने एवं अपने परिवार की कुछ विशिष्ट उपलब्धियों की जानकारी विज्ञान समिति में देवें जिससे उसका समावेश मासिक रिपोर्ट में किया जा सके।

विज्ञान समिति के मार्च माह के कार्यक्रम

- **मासिक प्रकाशन :** लोकविज्ञान, ग्रामीण महिलाओं के लिए लहर तथा मासिक रिपोर्ट का नियमित प्रकाशन
- **नियमित स्वास्थ्य सेवाएं**
  - एक्यूप्रेशर चिकित्सा : प्रत्येक गुरुवार व शनिवार को सायंकाल 5 से 6.30 समिति परिसर में
  - श्री बिजय कुमार सुराणा निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर : प्रत्येक माह के तीसरे रविवार को प्रातः 10.30 से 12.30 समिति परिसर में – 15 मार्च 2015
- **नियमित मासिक गतिविधियां**

नवाचार महिला प्रकोष्ठ मासिक बैठक	दिनांक	10 मार्च 2015	प्रातः 11.00	बजे से
दर्शन विज्ञान प्रकोष्ठ मासिक बैठक	दिनांक	14 मार्च 2015	प्रातः 11.00	बजे से
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस विज्ञान समिति एवं नगर की अन्य 25 महिला संस्थाओं द्वारा	दिनांक	17 मार्च 2015	प्रातः 11.00	बजे से
वरिष्ठ महिला प्रकोष्ठ मासिक बैठक	दिनांक	20 मार्च 2015	प्रातः 11.00	बजे से
प्रबुद्ध चिंतन प्रकोष्ठ मासिक बैठक	दिनांक	21 मार्च 2015	सायं 4.30	बजे से
ग्रामीण महिला चेतना शिविर	दिनांक	30 मार्च 2015	प्रातः 11.00	बजे से

- **विशेष**
  - अन्य कार्यक्रम निर्णय होने पर

अपील

- कार्यकारिणी के निर्णयानुसार प्रत्येक सदस्य को एक हजार रु. प्रतिवर्ष समिति की गतिविधियों के लिए देना है। इस निर्णय का तीसरा वर्ष प्रारंभ हो गया है। कृपया सहयोग प्रदान करावें।
- निर्माण, स्थायी कोष (कोरपस फंड) एवं छात्रवृत्ति कोष के लिए भी आर्थिक सहयोग अपेक्षित है।

सौजन्य :- श्रीमान् मदनसिंह जी-श्रीमती लीला जी सुराना, 8-सी, मधुबन, उदयपुर

Quick Print Service # 94147 36608